भारत सरकार

जल शक्ति मंत्रालय

जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 4120

जिसका उत्तर 12 दिसंबर, 2019 को दिया जाना है।

.....

नदियों को आपस में जोड़ना

4120. श्री अनुमुला रेवंत रेड्डी:

क्या **जल शक्ति मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) तेलंगाना राज्य में नदियों को आपस में जोड़ने का ब्यौरा क्या है;

(ख) इस सम्बन्ध में प्रस्तावित योजना का वर्ष-वार ब्यौरा क्या है; और

(ग) इस हेतु आबंटित बजट और अब तक उपयोग की गई निधि का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

जल शक्ति और सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री (श्री रतन लाल कटारिया)

(क) से (ग) अगस्त, 1980 में तत्कालीन सिंचाई मंत्रालय (अब जल शक्ति मंत्रालय) ने अंतर-बेसिन जल अंतरण के जरिए जल संसाधनों के विकास हेतु एक राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य योजना (एनपीपी) तैयार की थी जिसका उद्देश्य जल की अधिकता वाले बेसिनों से जल की कमी वाले बेसिनों में जल अंतरण करना है। एनपीपी के अंतर्, राष्ट्रीय जल विकास अभिकरण (एनडब्ल्यूडीए) ने साध्यता रिपोर्ट (एफआर) तैयार करने हेतु 30 नदी जोड़ों (प्रायद्वीपीय घटक के तहत 16 तथा हिमालयी घटक के तहत 14) की पहचान की है। प्रायद्वीपीय घटक के तहत तेलंगाना राज्य को लाभ प्रदान करने के लिए गोदावरी (इंचामपल्ली)-कृष्णा (नागार्जुनसागर) नदी जोड़ और गोदावरी (इंचामपल्ली)-कृष्णा (पुलीचिंतल्ला) नदी जोड़ परियोजनाओं की परिकल्पना की गई हैं। एनडब्ल्यूडीए ने इन दोनों नदी जोड़ों की साध्यता रिपोर्टें तैयार कर ली हैं।

बाद में, इंद्रावती उपबेसिन से कृष्णा, पेन्नार और कावेरी बेसिनों के उपयोग नहीं किए जल के अंतरण के लिए वैकल्पिक अध्ययन किए गए हैं और तदनुसार, तीन नदी जोड़ों अर्थात गोदावरी (इंचामपल्ली/जनमपेट) - कृष्णा (नागार्जुनसागर), कृष्णा (नागार्जुनसागर)-पेन्नार (सोमासिला), पेन्नार (सोमासिला)- कावेरी (ग्रेंड ऐनिकट) नदी जोड़ परियोजनाओं को जोड़कर गोदावरी-कावेरी नदी जोड़ परियोजना की प्रारूप विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार कर ली गई है और उसे टिप्पणी के लिए मार्च, 2019 में पक्षकार राज्यों को परिचालित कर दिया गया। प्रारूप डीपीआर के

अनुसार, इस नदी जोड़ परियोजना से लगभग 9.38 लाख हेक्टेयर क्षेत्र को लाभ मिलेगा, जिसमें से 1.84 लाख हेक्टेयर का क्षेत्र तेलंगाना में आता है।

संबंधित राज्यों की सहमति के साथ इसकी डीपीआर तैयार करने और अपेक्षित सांविधिक स्वीकृति प्राप्त कर ले के पश्चात परियोजना, कार्यान्वयन स्तर पर पहुंचेगी।

नदियों को आपस में जोड़ने के कार्यक्रम के लिए 100 लाख रूपये के आवंटन को चालू वर्ष सहित पिछले तीन वर्षों के प्रत्येक बजट में दर्शाया गया है। कोई भी राशि उपयोग नहीं की गई है, क्योंकि नदियों को आपस में जोड़ने की कोई भी परियोजना कार्यान्वयन स्तर पर नहीं पहुंची है।

******